STANDARD X HINDI STUDY NOTES BASED ON ONLINE CLASSES

EPISODE -17 DATE: 16-09-2021

## पाठ का नाम : अकाल और उसके बाद

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें |

1) ' अकाल और उसके बाद ' - किस विधा की रचना है?

उत्तर : कविता

2) ' अकाल और उसके बाद ' - कविता के कवि कौन है?

उत्तर : नागार्जुन

3) नागार्जुन के बारे में आप क्या जानते हैं?

उत्तर : नागार्जुन हिंदी के बहुत प्रसिद्ध साहित्यकार है। वे प्रगतिशील विचारों से बहुत प्रभावित हैं । उन्होंने लोक जीवन , प्रकृति , राजनीति , आदि को अपनी रचनाओं का विषय बनाया ।

4) अकाल क्या है ?

उत्तर : अकाल में खाद्य वस्तुएँ, पानी आदि की कमी से जीव जंतु पीड़ित रहते हैं |

5) अकाल के क्या क्या कारण हो सकते हैं?

उत्तर : प्राकृतिक विपत्तियों से, प्रकृति का शोषण करने से, पानी की कमी से और फसलों की असफलता आदि से अकाल हो सकतें हैं ।

6) अकाल का क्या परिणाम होता है ?

उत्तर : सारे जीव- जंतु भूखों मरने लगते हैं।

7) ' कई दिनों तक चूल्हा रोया ' - इसका क्या तात्पर्य है ?

उत्तर : कई दिनों तक चूल्हा ठंडा पड़ा रहा |

8) कई दिनों तक चूल्हा नहीं जला। क्यों ?

उत्तर : घरों में कोई खाद्य सामग्री नहीं है। इसलिए चुल्हा नहीं जला। अर्थात् चुल्हा जलाकर पकाने के लिए घरों में खाद्य सामग्री नहीं है।

9) चक्की रही उदास । ऐसा क्यों लगता है?

उत्तर : चक्की पर पीसने के लिए अनाज नहीं है। इसलिए ऐसा लगता है।

10) ' कानी कुतिया' में विशेषण शब्द कौन- सा है ?

उत्तर : कानी

11) चूल्हे का रोना और चक्की का उदास होना इसका मतलब क्या है?

उत्तर : कवि के अनुसार चुल्हा, चक्की आदि घर की चीजों पर भी अकाल का प्रभाव देखने को मिलता है । घर में कुछ पकाने के लिए नहीं है । इसलिए चूल्हा बुझा रहता है और रोता हुआ लगता है। उसी प्रकार चक्की में पीसने के लिए दाना नहीं है । इसलिए वह भी उदास लगती है।

12) छिपकलियाँ क्यों गश्त लगा रही है?

उत्तर : छिपकलियों को खाने के लिए कुछ भी नहीं मिल रहा है। इसलिए वे गश्त लगा रही है|

13) कवि ने अकाल की भीषणता को किन किन के माध्यम से व्यक्त किया है ?

उत्तर : चुल्हा, चक्की, कानी कुतिया, छिपकली और चूहे के माध्यम से कवि ने अकाल की भीषणता को व्यक्त किया है।

14) चूहों की हालत क्यों बुरी हो गयी है?

उत्तर : चूहों को घर से या खेतों से खाने को कुछ नहीं मिल रहा है ।

15) अकाल और उसके बाद नामक कविता की मुख्य विशेषता क्या है ?

उत्तर : इस कविता में चूल्हे का रोना, चक्की का उदास होना, आदि के माध्यम से

कवि ने परोक्ष रूप से मनुष्य की विवशताओं का वर्णन किया है।

16) " कई  दिनों तक लगी भीत पर

छिपकलियों की गश्त

कई दिनों तक चूहों की भी

हालत रही शिकस्त"

ये पंक्तियाँ  किस हालत की ओर इशारा करती हैं ?

उत्तर :  यहाँ कवि अकाल की भीषणता की स्थिति का वर्णन करते हैं । अकाल से घर की हालत दयनीय बन गई है। अकाल की तीव्रता के कारण छिपकली , चूहा जैसे जीवों को भी खाने के लिए कुछ नहीं मिलता है।

17)  कानी कुतिया कहाँ सोई हुई थी? क्यों?

उत्तर :  कानी कुतिया उदास होकर चक्की के पास साई हुई थी। क्योंकि उसे कहीं भी खाने को कुछ मिलने की संभावना नहीं थी।

## नवीन शब्दार्थ

पुकार - വിളി

अकाल -  ക്ഷാമം

प्रगतिशील - പുരോഗമനപരമായ

प्रगतिशील विचारधारा -  പുരോഗമന ചിന്തകൾ

चक्की -  അരകല്ല്

कुतिया -  പെണ്പട്ടി

पकाना -  പാകം ചെയ്യുക

पीसना -  പൊടിക്കുക

हालत - അവസ്ഥ

शिकस्त - पराजय

छिपकली - പല്ലി

गश्त लगाना - റോന്ത് ചുറ്റുക, to patrol

भीत - दीवार

- - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - - -